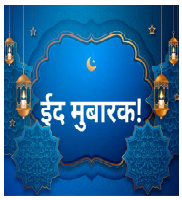

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 236 शनिवार 21 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अवैध निर्माण को लेकर डीएम से जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती स्थित नरहरिया मोहल्ला निवासी रामलाल के नेतृत्व में लोगों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे अवैध सड़क और नाली निर्माण को रोककर निष्पक्ष जांच की मांग किया है। यह जानकारी देते हैं रामलाल ने बताया कि मोहल्ले के गाटा संख्या 535 से 400 तक पचपेड़िया रोड डूडा ऑफिस के उत्तर तक नगर पालिका परिषद द्वारा सड़क और नाली निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता हो रही है जिससे निजी संपत्ति और भूमि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य क्षेत्र की खतौनी और नक्शा की समुचित जांच नहीं की गई और न ही प्रभावित भूमिधरों को कोई नोटिस ही दिया गया। लोगों का कहना है कि मुआवजा और अधिग्रहण में वैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। जिससे निर्माण में लोगों के निजी संपत्ति के क्षति की आशंका है। लोगों ने डीएम से मांग किया कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाए, जांच पूरी होने तक विवादित निर्माण कार्य पर स्थगन आदेश जारी किया जाए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय।

यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा, जिला स्वास्थ्य समिति (शाशी निकाय) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक में उन्होने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का शक्ति से पालन किया जाय। उन्होने कहा कि दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में संकेतक लगवाये जाय। बैठक में आरटीओ ने बताया कि 01 अप्रैल से स्कूली वाहनों का फिटनेश चेक किया जायेंगा। स्कूल प्रबंधको को संबंधित पोर्टल पर वाहन फिटनेश से संबंधित समसत अभिलेखों को अपडेट करना होगा, मानक पूर्ण होने के उपरान्त ही वाहन का संचालन किया जायेंगा।

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा करते हुए उन्होने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर डाक्टरों की उपलब्धता बनी रहें। उन्होने यह भी कहा कि आयुषमान कार्ड के पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड शीघ्रअतिशीघ्र बनाया जाय। उन्होने जननी सुरक्षा की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना से जुड़े लाभार्थियों का पोर्टल पर अपडेट कराते हुए भुगतान शीघ्र कराया जाय। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर एचआईवी किट उपलब्ध हो। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विभाग से संबंधित योजनाओं में शतप्रतिशत प्रगति बनाये रखें।

बैठक में सीएमओ डा. राजीव निगम, डीपीआरओ धनश्याम सागर, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी संजीव कुमार, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, एसीएमओ डा. ए.के. चौधरी, सम्भागीय परिवहन अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य, टीएसआई अवधेश तिवारी, समसत बीडीओ व एमओआईसी सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

फंसी संपत्तियों के लिये खुला रास्ता, ओटीएस योजना लागू

लखनऊ (आभा)। यूपी में योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश में विकास प्राधिकरणों में फंसी संपत्तियों को आवंटियों को देने के लिए एक मुश्त समाधान (ओटीएस) योजना लागू कर दी गई है। इस योजना से बिना दंड ब्याज दिए आवंटी अपनी संपत्तियों पर कब्जा पा सकेंगे। नक्शा स्वीकृत होने के बाद 90 दिनों तक पैसा न जमा करने वालों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। आवंटियों द्वारा पूर्व में जमा की गई धनराशि ओटीएस गणना में अधिक होने पर वापस नहीं की जाएगी।प्रमुख सचिव आवास पी. गुरुप्रसाद द्वारा शुक्रवार को जारी शासनादेश के मुताबिक ओटीएस योजना का लाभ सभी तरह की संपत्तियों पर मिलेगा। डिफाल्टर आवंटियों से संपत्ति आवंटन की तरह साधारण ब्याज लिया जाएगा। किसी प्रकार का दंड ब्याज नहीं लिया जाएगा। भुगतान को डिफाल्ट अवधि तक ओटीएस में बकाया मूल धनराशि में समायोजित किया जाएगा। ईडब्ल्यूएस के लिए 100 रुपये फीस और 5000 शुल्क लगेगा।

एलआईजी 500 व 10 हजार, अन्य श्रेणी की आवासीय व मिश्रित उपयोग की संपत्तियों तथा व्यावसायिक निर्मित दुकानों व भूखंडों पर 2100 फीस व 50 हजार शुल्क देना होगा। ग्रुप हाउसिंग 11 हजार फीस व पांच लाख रुपये शुल्क, संस्थागत संपत्तियां 11 हजार शुल्क पांच लाख शुल्क और मानचित्र के डिफाल्टरों को 5000 फीस और दो लाख रुपये शुल्क देना होगा।

प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्री डीजल के दाम बढ़े

नई दिल्ली (आभा)। ईरान–इजरायल जंग के बीच कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त तेजी आई है. देश में आज प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2 रुपये तक बढ़ गए, हालांकि सरकार की तरफ से आम आदमी के लिए राहत भरी खबर भी है. सरकार ने साफ कहा है कि नॉर्मल पेट्रोल की कीमतों पर इस बढ़ोतरी का कोई असर नहीं होगा.

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार तेल कंपनियों ने सिर्फ प्रीमियम पेट्रोल के दामों में 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है. इस पेट्रोल की सेल टोटल सेल के मुकाबले केवल 3 से 4 फीसदी ही है. ऐसे में बढ़ी हुई दरों का ज्यादा असर देश में देखने को नहीं मिलेगा. सरकार ने कहा कि पेट्रोल डीजस के रेट देश में डीरेगुलेटेड हैं, जिन्हें मार्केट के हिसाब से कंपनियां अपने हिसाब से बदलती रहती हैं।

सरकार ने एलपीजी की कमी पर जानकारी देते हुए कहा कि देश में गैस की सप्लाई पूरी तरह नॉर्मल हैं. सप्लाई की कमी ना हो इसके लिए घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ा दिया गया है. पेनिक बुकिंग में भी कमी आई है. अभी के समय में हर दिन करीब 55 लाख रिफिल बुकिंग हो रही है. साथ ही पिछले एक हफ्ते में 11 हजार 300 टन कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई की गई।

प्रकृति की नन्हीं दूत गौरैया को बचाने के लिये पेड वाले बाबा गौहर अली ने लगाया घोसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता पेड वाले बाबा गौहर अली ने रोडवेज के निकट नीम के पेड़ पर गौरैया के लिये घोसला लगाया जिससे वे सुरक्षित रह सके।

सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली ने कहा कि प्रकृति की नन्हीं दूत मानी जाने वाली गौरैया लोगों के इर्द–गिर्द ही रहना पसंद करती है। लेकिन पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण, रेडियशन व रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयेाग से गौरैया के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। गौरैया की लुप्त होती प्रजाति बेहद चिंता का विषय भी है। हालांकि गौरेया को बचाने और उन्हें संरक्षित करने की दिशा में शहर के कई पशु–पक्षी प्रेमी समर्पित हैं इसके बावजूद घर आंगन की रौनक गौरैया का जीवन खतरे में हैं। इसे बचाने के लिये पहल करना होगा।

चैत्र नवरात्रि में मांस की बिक्री रोकने की मांगः विश्व हिन्दू महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। मांग किया कि चैत्र नवरात्रि को देखते हुये जनपद के प्रमुख स्थानों पर मांस की बिक्री को रोका जाय।

ज्ञापन देने के बाद अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि चैत्र नवरात्रि को देखते हुये मुख्य स्थानों पर मांस की बिक्री न होने पाये। कहा कि जनपद के अनेक सार्वजनिक स्थानों पर धड़ल्ले से मांस की दूकानें संचालित हो रही है। उन्होने जिला प्रशासन से मांग किया कि तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक स्थानों पर मांस की दूकानें और मांसाहारी भोजन बनाने वाले होटलों को बंद कराया जाय।

मांस की बिक्री रोके जाने हेतु सौंपे ज्ञापन में मुख्य रूप से महासंघ के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, बालकृष्ण सिंह, जिला महामंत्री विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव , महेश गुप्ता रूप नारायण गौड़, ममता शर्मा, लक्ष्मण ओझा, शांति ओझा, उपेंद्र सिंह, रजनीश तिवारी, दीपक चौधरी, सोनू चौधरी एडवोकेट, शैलेंद्र शुक्ला, राज मंगल मिश्रा, विपुल पाण्डेय, सुनील मिश्रा रवि शुक्ल आदि शामिल रहे।

6 लाख 50 हजार हड़पने का आरोप डीआईजी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने पुलिस उपमहानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर आर०के० कंस्ट्रक्शन कम्पनी में लेन देन के विवाद को लेकर धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

डीआईजी को दिये पत्र में पंकज सिंह ने कहा है वे गिट्टी, मोरंग व मिट्टी की सप्लाई का कार्य करते हैं, सन् 2023 से राजेश शुक्ला उर्फ बबलू पुत्र राजेंद्र प्रसाद शुक्ला निवासी गोबरहिया थाना पुरानी बस्ती से संबंध है, राजेश शुक्ला आर०के० कंस्ट्रक्शन नामक कम्पनी चलाते हैं। पंकज सिंह ने राजेश शुक्ला की कम्पनी में साझेदारी के तहत रुपए लगाए हैं, उसने अपनी पत्नी के अकाउण्ट से दो लाख रूपये और अपने अकाउण्ट से 25 हजार रुपया आर०के० कांस्ट्रक्शन के अकाउण्ट में 11 जून 2025 को काम शुरू करने के लिए भेजा। वह कम्पनी में 15 प्रतिशत बचत में रहता था, आर०के० कांस्ट्रक्शन के साथ मिलकर जो कार्य किए थे उसमें उसका कुल हिस्सा 8 लाख रूपया है जिसमें से राजेश शुक्ला धीरे–धीरे करके 1,50,000 के करीब में वापस कर दिये, परन्तु शेष 6 लाख 50 हजार रूपया बनता था उसे मांगने पर नहीं दिया। धोखे से 6,50,000–रूपये राजेश शुक्ला ने हड़प लिया। पैसा मांगने पर फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी भी दे रहे हैं और गलत बयान देकर रंगदारी मांगने का आरोप लग रहे हैं और उसे बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। राजेश शुक्ला आपराधिक किस्म के व्यक्ति हैं जो जोर–जबरदस्ती, धोखेधड़ी से 6,50,000– रूपया राजेश ने शुक्ला हड़प लिया। पंकज सिंह ने दोषी के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर धन वापस कराये जाने और परिवार के सुरक्षा की मांग किया है।

पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की हत्या से रोष, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को समाजसेवी गौर प्रथम से जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी संदीप निषाद के नेतृत्व में नागरिकों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि गोरखपुर जनपद के चिलुआताल थाना क्षेत्र के अपने गांव बरगदवा में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की बदमाशों द्वारा चाकू और गोली मारकर कर हत्या कर दिये जाने के मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाय।

मुख्यमंत्री को सम्बोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन में मांग किया गया है कि पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की बदमाशों द्वारा चाकू और गोली मारकर कर दिये जाने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई, पीडित परिवार की सुरक्षा और समुचित मुआवजा दिलाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद समाजसेवी संदीप निषाद ने कहा कि पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की दिन दहाड़े हत्या दुर्भाग्यपूर्ण और कानून व्यवस्था के समक्ष बडी चुनौती है। मुख्यमंत्री इसे गंभीरता से लेते हुये पीड़ित परिवार को न्याय दिलाये। साथ ही दोषियों को कड़ा दण्ड दिलाया जाय। ज्ञापन देने के दौरान संदीप निषाद के साथ दिलीप चौहान, सोनू निषाद, आसू चौहान, अनिल यादव, राना चौधरी, धर्मेन्द्र राजभर, सूरज चौहान, प्रदीप यादव, मनजीत यादव, आकाश पटेल, सूर्य प्रताप राना, चंदन पाण्डेय, गोविन्द चौहान, महेश चौहान, गमये चौहान, महेन्द्र चौहान आदि शामिल रहे।

हिन्दू नव वर्ष पर निकली भव्य शोभा यात्रा, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दू नव वर्ष के अवसर पर बड़वा समय माता मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक शोभा यात्रा में हिस्सा लिया। पूरे क्षेत्र में "जय श्री राम" के गगनभेदी नारों से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

-प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है हिन्दू नव वर्ष- संजय प्रताप जायसवाल

समाजसेवी अभिषेक त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित इस शोभा यात्रा की शुरुआत बड़वा समय माता मंदिर से हुई, जहां से सैकड़ों वाहनों के साथ यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान युवा और श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर अभिषेक त्रिपाठी द्वारा फलाहार और भव्य जागरण का भी आयोजन कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जागरण कार्यक्रम में लोक गायक सूर्या सिंह ने अपने भक्ति गीतों से माहौल को और अधिक भावुक बना दिया। उनके गीतों पर देर रात तक श्रोता झूमते रहे और भक्ति रस में डूबे नजर आए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में यह दिन नई ऊर्जा, नवसृजन और सकारात्मक शुरुआत का प्रतीक है, इसके मूल में प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। उन्होने मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम के आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का समापन उकड़ा पोखरा बाबा नगर तिराहा स्थित हनुमान मंदिर पर जागरण और फलाहार के साथ किया गया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम भी देखने को मिले।भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, मनोज सिंह, बलराम सिंह, राहुल, अतुल श्रीवास्तव, बंटू तिवारी, विक्की चौधरी, नींबू लाल पाठक, संजय पाण्डेय, अंकित त्रिपाठी, शिव प्रकाश सोनी, मोनू पाठक, सोनू पाठक, अखिलेश्वर पाण्डेय, रिंकू जायसवाल के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की हत्या से रोष, मामले के सीबीआई जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गोरखपुर जनपद के चिलुआताल थाना क्षेत्र के अपने गांव बरगदवा में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की बदमाशों द्वारा चाकू और गोली मारकर कर दिये जाने की घटना से आक्रोश हैं। शुक्रवार को आम जनता पार्टी सोशलिस्ट जिलाध्यक्ष रमेश चौहान के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को सम्बोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की बदमाशों द्वारा चाकू और गोली मारकर कर दिये जाने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई, पीडित परिवार की सुरक्षा और समुचित मुआवजा दिलाया जाय।

4 सूत्रीय ज्ञापन में पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान के हत्यारों को कड़ा दण्ड दिलाये जाने, पीड़ित

—आम जनता पार्टी सोशलिस्ट ने राज्यपाल को भेजा 4 सूत्रीय ज्ञापन

परिवार को सुरक्षा देने के साथ ही 2 करोड़ रूपये का मुआवजा दिलाये जाने, मामले की सीबीआई जांच, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाये जाने के साथ ही भविष्य में इस प्रकार का दुस्साहस न होने पाये इसकी समुचित व्यवस्था करायी जाय।

ज्ञापन देने के बाद आम जनता पार्टी सोशलिस्ट के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष रमेश चौहान ने कहा कि पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की दिन दहाड़े हत्या दुर्भाग्यपूर्ण और कानून व्यवस्था के समक्ष बडी चुनौती है। प्रदेश सरकार इसे गंभीरता से लेते हुये पीड़ित परिवार को न्याय दिलाये।

राज्यपाल को ज्ञापन भेजे जाने के दौरान मुख्य रूप से आत्मा चौहान, लालमन चौहान, रामनरेश चौहान, भगवत प्रसाद, गोविन्द चौहान, प्रभुनाथ, महेश चौहान, संदीप निषाद, अर्जुन चौहान, जयकिशन, रोहित चौहान, उमेश शर्मा, महेन्द्र चौहान, सुभाष चौहान, जितेन्द्र, मनीष चौहान, राजन, लाल साहब, रामबचन, श्रीराम, बालकेश, लवकुश, अमित, रमेश निषाद, राजमणि निषाद के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

तकनीकी समिति की जांच में दोषी पाये गये ग्राम प्रधानः होगी 60 हजार 736 रूपये की वसूली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ युवामोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी की शिकायत पर बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनबरसा में कराये गये विकास कार्यो की जांच में ग्राम प्रधान मिथिलेश उपाध्याय दोषी पायी गई है। उनसे 60 हजार 736 रूपये की वसूली कराये जाने की संस्तुति जिला पंचायत राज अधिकारी से किया गया है।

जानकारी के अनुसार विश्व हिन्दू महासंघ युवामोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने विकास कार्यो में मनमानी की शिकायत जिलाधिकारी से किया था। खण्ड विकास अधिकारी बस्ती सदर ने मामले की जांच किया। शिकायती पत्र मे उल्लिखित खण्डजा कार्य ग्राम सोनबरसा मे राघव राम के खेत से परमात्मा प्रसाद के बोरिंग तक मिट्टी एवं खण्डजा कार्य की जांच की दो सदस्यीय तकनीकी जांच समिति के द्वारा किया गया। मौके पर शिकायतकर्ता भी उपस्थित थे। जांच में पाया गया कि. खण्डजा निर्माण कार्य की मापी करने पर लं0–168 मी० व चौडाई औसत 3.50 मी० पाया है। अभिलेखो के अनुसार इस कार्य की लं0–168 मी० व चौडाई औसत 3.50 मी० दिखाते हुए ईंट पर 35946 नग रू–303679.00 व कार्टेज मिट्टी पर 37965. ०० क्रय करते हुए भुगतान किया गया है। कार्य की लम्बाई व चौडाई इस्टीमेट के अनुसार पाई गयी। मौके पर प्रयुक्त ईंटो की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई। इस खण्डजे पर राठ ईंट का प्रयोग किया गया है, जिसमे कुछ जगहो पर मिश्रित दोयम ईंट लगी पायी गयी। जिसके लिए तकनीकी जांच के आधार पर मनोज कटियार कंसटिंग इंजीनियर अजय कुमार गौतम ग्राम सचिव एवं ग्राम प्रधान मिथलेश उपाध्याय का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए ईंट क्रय पर भुगतानित धनराशि रू–303679 का 20 प्रतिशत रूपया–60736.00 वसूली हेतु 3 बराबर – बराबर भागो मे किये जाने के लिए जिलापंचायत राज अधिकारी बस्ती से आग्रह किया गया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 मार्च 2026 शनिवार

सम्पादकीय

युद्ध के बदलते सन्दर्भ

इजरायल की ओर से अपने गैस फील्ड साउथ पार्स को निशाना बनाए जाने के जवाब में ईरान ने जिस तरह सऊदी अरब, कतर और कुवैत की रिफाइनरियों पर हमले किए, उसके बाद कच्चे तेल के दाम बढ़ने ही थे। समस्या केवल यह नहीं कि तेल के दाम बढ़ते ही चले जा रहे हैं, बल्कि यह भी है कि खाड़ी के देशों से उसकी आपूर्ति में भी कठिनाई आ रही है। तेल के साथ गैस की आपूर्ति में भी मुश्किलें पेश आ रही हैं।

साफ है कि अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच छिड़ा युद्ध ऊर्जा संकट को गंभीर बनाने का काम कर रहा है। ईरान ने अपने यहां के ऊर्जा स्रोतों पर हमले के जवाब में पड़ोसी देशों के ऐसे ही स्रोतों को निशाना बनाने की जो रणनीति अपनाई है, उससे अमेरिका के साथ खाड़ी के देश ही नहीं, पूरी दुनिया परेशान है। यह साफ है कि अमेरिका ने यह सोचा ही नहीं था कि ईरान इस तरह ऊर्जा संकट गहराने की रणनीति अपना सकता है, लेकिन वह इसी रणनीति पर चल रहा है।पहले उसने खाड़ी देशों से तेल और गैस की आपूर्ति के समुद्री मार्ग होर्मुज को बाधित किया, फिर उसने इन देशों के ऊर्जा स्रोतों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। ईरान ने खाड़ी देशों के कुछ ऊर्जा स्रोतों को तो इस तरह निशाना बनाया कि उनसे तेल और गैस का उत्पादन ही ठप हो गया है।

चूंकि तेल और गैस के उत्पादन में कमी के साथ उसकी आपूर्ति भी बाधित हो गई है, इसलिए पूरी दुनिया को ऊर्जा संकट की तपिश झेलनी पड़ रही है। कई देशों को तेल और गैस के दाम बढ़ाने पड़े हैं। कुछ देशों में गैस की किल्लत होने से घरों में खाना बनाने के साथ–साथ छोटे–बड़े उद्योग चलाना भी कठिन हो गया है।

तेल एवं गैस के दाम बढ़ने और उनकी आपूर्ति प्रभावित होने से दुनिया भर के शेयर बाजारों में गिरावट भी देखी जा रही है। एक तरह से ईरान पर हो रहे अमेरिका एवं इजरायल के हमले और उनके जवाब में ईरान की कार्रवाई वैश्विक हितों पर तगड़ी चोट पहुंचाने का काम कर रही है। वैश्विक हितों के लिए यह जो गंभीर खतरा पैदा हो गया है, उसके लिए सीधे तौर पर अमेरिका जिम्मेदार है।

यदि वह ईरान पर हमला करने के लिए तैयार नहीं होता तो इजरायल शायद ही अपने दम पर ऐसा करने के लिए आगे आता। अब तो ऐसा लगता है कि इन दोनों में रणनीतिक तालमेल का भी अभाव है। इसका संकेत इजरायल की ओर से ईरान के गैस फील्ड को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका की असहमति से मिलता है।

युद्ध के समय देशों के लक्ष्य बदल जाते हैं। उस समय केवल तात्कालिक बातें जैसे–जवाबी हमला, दबाव, सुरक्षा, शक्ति प्रदर्शन और अस्तित्व बचाना दिखाई देती हैं। दीर्घकालिक सोच अल्पकालिक में बदल जाता है। ऐसे में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि युद्ध कभी शाश्वत नहीं होते। प्रथम विश्वयुद्ध भी समाप्त हुआ और द्वितीय विश्वयुद्ध भी।

हर युद्ध अंततः एक ऐसे मोड़ पर पहुंचता है, जहां असली चुनौती लड़ाई नहीं, बल्कि टूटी हुई चीजों को फिर से जोड़ना और बचे हुए लोगों के साथ दोबारा सामान्य जीवन बिताना होता है। इसी दृष्टि से आज पड़ोसी इस्लामी देशों पर ईरान के लगातार हमले दीर्घकालिक रणनीति के रूप में उसके अपने ही हितों के विरुद्ध हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई के पीछे तात्कालिक कारण हो सकते हैं, लेकिन उसके राजनीतिक और सामाजिक मूल्य कहीं अधिक दूर तक जाते हैं।

क्षतिग्रस्त इमारतें फिर बन सकती हैं, बाधित हवाईअड्डे फिर खुल सकते हैं और अर्थव्यवस्था भी समय के साथ संभल सकती है, पर पड़ोसियों के बीच एक बार टूटा विश्वास आसानी से वापस नहीं आता। यह विश्वास हर मिसाइल, ड्रोन हमलों के साथ और कमजोर होता जा रहा है, जो खाड़ी के देशों में नागरिक क्षेत्रों में भय पैदा करता है। यह केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि ईरान और उसके पड़ोसी देशों के भविष्य का भी प्रश्न है। ईरान कोई ऐसा देश नहीं है, जो दुनिया के किसी अलग कोने में बसा हो। करीब सात देशों के साथ उसकी सीमा लगती है। संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन जैसे देशों में लाखों की संख्या में ईरानी लोग पीढ़ियों से बसे हुए हैं।

इस असहमति मात्र से बात बनने वाली नहीं है, क्योंकि ईरान भी संयम बरतने को तैयार नहीं दिख रहा है। अब जब पश्चिम एशिया का संकट विश्व का संकट बन गया है, तब भारत समेत विश्व के सभी समर्थ देशों को इस युद्ध को बंद कराने के लिए सक्रिय होना चाहिए और इसके लिए अमेरिका पर दबाव बढ़ाना चाहिए।

युद्ध से तेल गैस का गहराता संकट

— कमलेश पाण्डेय—

पश्चिमी एशिया के लिए अभिशाप साबित हो रहे ईरान–इजरायल युद्ध, कोई साधारण युद्ध नहीं बल्कि एक प्रकार का सभ्यता–संस्कृति संघर्ष है, जिसके बीज इतिहास में ही जमे हुए हैं। एक ओर जहां यह युद्ध इजरायल के लिए उसके अस्तित्व के रक्षा की लड़ाई है, वहीं दूसरी ओर यह युद्ध ईरान के लिए ईसाई मुल्कों के कथित लोकतांत्रिक–आर्थिक दांवपेंचों से ईरान को महफूज रखकर अरब–खाड़ी देशों में एक मजबूत इस्लामिक साम्राज्य स्थापित करने की मनरूसंकल्पित सोच–समझ और ईरान से वैश्विक इस्लामिक साम्राज्यवाद का दबदबा बढ़ाने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर लड़ी जा रही है, जो आगे भी बदस्तूर जारी रह सकती, क्योंकि ईरानी धार्मिक शासन व संगठन का एकमात्र ध्येय यही है। वहीं, पश्चिम एशिया और मध्य–पूर्व के अकूत तेल व गैस भंडार पर जिस तरह से अमेरिकी–यूरोपीय गठबंधन वर्चस्व कायम है, और अपने अपने हितों को लेकर उनके बीच भी अंतर्विरोध उपज चुका है, वह अप्रत्याशित है। जबकि मध्यपूर्व में अमेरिकी वर्चस्व तोड़ने के लिए रूसी–चीनी नेतृत्व भी आमादा प्रतीत हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत चल रहे दांवपेंचों से इस्लामिक मुल्क लगभग दो या चार फाड़ हो चुके हैं। सच कहूं तो शिया–सुन्नी इस्लामिक विभाजन इसकी जड़ में है, लेकिन सुन्नी बहुल सऊदी अरब, शिया बहुल ईरान, हिन्दू विरोधी पाकिस्तान और मुसलमानों का खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्कियें के आपसी दांवपेंच किसी से छिपे हुए नहीं हैं।

इसके बावजूद, 56 इस्लामिक देशों को मिलाकर गठित ओआईसी और उसके इस्लामिक नाटो बनाने का वैश्विक लक्ष्य, यहूदियों के एकमात्र छोटे से मुल्क इजराइल को समाप्त करने पर तुले हुए ईरान की सनक से गहराते फिलिस्तीन–गाजा विवाद और भारतीय हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान परस्त ओआईसी के अंतर्राष्ट्रीय दांवपेंचों ने जब हिंसक और आतंकवाद परस्त इस्लामिक दुनिया को मौजूदा क्रूर संघर्ष के मुकाम तक पहुंचा दिया तो जिधर देखें उधर तबाही और बर्बाद होने के अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता।

वैचारिक सवाल है कि जब हर हिंसक सोच का ज्ञासदीपूर्ण अंत होना नैसर्गिक प्रक्रिया के मुताबिक तय है तो फिर ईरान और अमेरिका इसी रक्तिम राह पर अग्रसर क्यों हैं? और यदि वो ऐसे ही हैं तो इससे शेष दुनिया आश्चर्यचकित क्यों है? शायद इसलिए कि उनके तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो चुकी है, और अबतक सारा शांतिपूर्वक तमाशा देखने वाला खेल लगभग बिगड़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक दायित्व पर सवालिया निशान तो बहुत पहले ही लग चुके हैं, लेकिन पीस बोर्ड ऑफ गाजा क्या कर रहा है?

उधर, अमेरिकी–यूरोपीय देशों को बैलेंस रखने वाले रूस–चीन–उत्तरकोरिया गठजोड़ और अमेरिका को छोड़कर वीटो शक्ति प्राप्त अन्य चार देश क्या कर रहे हैं? दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का पाठ पढ़ाने वाला भारत और उसका ग्लोबल साउथ चुप्पी क्यों साधे बैठें हैं? कथित ओआईसी ईरान को मरता–पिछड़ता देखकर बेचैन क्यों नहीं हो रहा है? अब्राहम परिवार के भागीदार देशों के मुंह पर पट्टी क्यों बंधी हुई है? यदि कुछ देशों को परमाणु बम रखने और लंबी दूरी वाली मिसाइल बनाने का हक है तो फिर वही हक ईरान को रहने देने में किसको परेशानी हुई है?

सुलगता सवाल है कि क्या कर ईरान को परमाणु बम बनाने का हक नहीं है, जबकि सिर्फ पाकिस्तान को यही हक अमेरिकी अगुवाई में प्राप्त है? क्या ईरान को लंबी दूरी की मिसाइल बनाने का हक नहीं है, और सिर्फ पाकिस्तान को! अमेरिकी–चीनी सरपरस्ती में प्राप्त है? आखिर ऐसी ओछी दलीलों के पीछे अमेरिकी खलनीति तो साफ नजर आती है, क्योंकि इन्हीं सतही वजहों के सहारे ईरान पर हमले किए गए। न केवल ईरानी सुप्रीम लीडर और उनके चहेतों को मार गिराया गया, बल्कि उच्च पदस्थ लोगों के खात्मे का सिलसिलेवार अभियान इजरायल द्वारा जारी है!

फिर भी ईरान ने जो अपनी रणनीतिक ताकत दिखाई, संगठनात्मक क्षमता प्रदर्शित किया, उससे ईरान विरोधी देश दंग हैं और यूरोपीय नाटो देश भयभीत! शायद इसलिए भी अब वो अमेरिका के साथ पूरी तरह से खड़े दिखाई देना नहीं चाहते हैं। ईरान अपने ही सहोदर अरब–खाड़ी व मध्यपूर्व के देशों की जो कुटाई कर रहा है, उसकी कल्पना भी कभी ओआईसी ने नहीं की होगी! इन तमाम रक्तिम रंजिशों के पीछे समझदारी की भावना है या ईर्ष्या का भाव, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ईरान क्या करेगा? अमेरिका इजरायल परस्त अपने पड़ोसियों को कितना बर्बाद कर पाएगा, यह वक्त बताएगा।

सवाल यह भी है कि जब इस्लामिक नाटो बनाने के सपने संजोए जा रहे हैं, पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुल्क भारत विरोध के नाम पर इजरायल विरोध तक पर तुले हुए हैं, उसके दृष्टिगत इजरायल का आक्रामक होना लाजिमी है। इस लंबे खिंचते जा रहे युद्ध से बचने के लिए दुनिया के थानेदार अमेरिका ने पूरी कोशिश की, लेकिन जिस तरह से पश्चिमी एशिया में ईरान अपनी मनमानी पर तुला हुआ है, उसे रूस–चीन–उत्तरकोरिया और कुछ हदतक भारत का समर्थन हासिल है, उसके दृष्टिगत इजरायल की रक्षा करने का कर्तव्य अमेरिका का तो बनता ही है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ यहूदी कौम ही है। वो भी तब जबकि पश्चिमी एशिया के सुन्नी मुस्लिम देश भी शिया मुस्लिम मुल्क ईरान को कमजोर रखने को लालायित हों।

यही वजह है कि अमेरिकी आक्रामकता, इजरायली वीरता, भारतीय तटस्थता और रूस–चीन की किंकर्तव्यविमूढ़ता जहां ईरान की फजीहत करवा रही हैं, वहीं शेष दुनिया में तेल–गैस के लाले पड़े हुए हैं। इससे इनके दाम आसमान छू रहे हैं। इसी बीच होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा पर अमेरिकी प्रस्ताव से इतर नाटो में उभरे मतभेद अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच रणनीतिक दृष्टिकोण के गहरे अंतर को दर्शाने को काफी हैं। इससे तेल–गैस के संकट गहराने और महंगाई बढ़ने के आसार प्रबल हैं।

इस स्थिति से बचने हेतु अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सदस्यों से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए युद्धपोत भेजने की मांग की है, लेकिन यूके और जर्मनी जैसे देशों ने इसे नाटो का मामला मानने से इनकार कर दिया। इस मतभेद के कई कारण हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान–अमेरिका–इजराइल संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का 20: हिस्सा ले जाता है। इससे बिफरते हुए ट्रंप ने चेतावनी दी कि सहयोगी मदद न करने पर नाटो का भविष्य श्बहुत बुराश् होगा, लेकिन जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि नाटो ने कोई फैसला नहीं लिया और यह उसकी जिम्मेदारी नहीं। जबकि यूके के पीएम कीयर स्टार्मर ने यूरोप, खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ अलग गठबंधन बनाने की बात कही, नाटो को शामिल किए बिना। दिलचस्प बात तो यह है कि गैर नाटो देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत ने भी इस मामले में अमेरिका के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया है। यूँ तो अमेरिका ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में सहयोग मांगा, लेकिन सबने इंकार कर दिया, जिससे अमेरिका अलग थलग पड़ गया। सवाल है कि जिस नाटो को अमेरिका ने खड़ा किया, आज वही अमेरिकी इशारे को मानने को तैयार क्यों नही हुआ? आखिर इसके क्या कूटनीतिक मायने हैं?

चूंकि ये मतभेद नाटो की एकजुटता पर सवाल उठाते हैं, खासकर मध्य पूर्व जैसे क्षेत्र में जहां अनुच्छेद 5 (सामूहिक रक्षा) लागू नहीं होता। दरअसल, यूरोपीय देश पश्चिम एशिया को नाटो के दायरे से बाहर रखना चाहते हैं, जो ट्रंप की श्ट्रांजेक्शनलश् नीति से टकरा रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार अस्थिर हो रहा है और ईरान को संकट मिल रहा है कि नाटो विभाजित है। स्पष्टतरू इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा। भारत के लिए, जो तेल आयात पर निर्भर है, यह ऊर्जा संकट बढ़ा सकता है। वहीं नाटो के विभाजन से मध्य पूर्व में अमेरिकी वर्चस्व कमजोर पड़ सकता है, जो भारत की क्षेत्रीय कूटनीति को प्रभावित करेगा। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए नाटो से सहयोग मांगा क्योंकि ईरान ने इसे अमेरिका–इजराइल संघर्ष के बीच बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का 20: हिस्सा प्रभावित हो गया। इसका मुख्य कारण यह है कि अमेरिका को इस रास्ते से केवल 1: तेल मिलता है, जबकि चीन (90:), भारत (85:) यूरोप और अन्य देश इसी रास्ते पर भारी रूप से निर्भर हैं, इसलिए ट्रंप ने तर्क दिया कि प्रभावित देशों को युद्धपोत, माइनस्वीपर्स और नौसैनिक सहायता देनी चाहिए। उन्होंने सात देशों से बात की, लेकिन सहयोग न मिलने पर नाटो को चेतावनी दी कि मदद न करने पर गठबंधन का भविष्य श्बहुत बुराश् होगा।

समझा जाता है कि यह डॉनल्ड ट्रंप की 'ट्रांजेक्शनल' नीति का हिस्सा है, जहां वे उम्मीद करते हैं कि यूक्रेन–रूस युद्ध में अमेरिका की तरह सहयोगी भी आगे आएं। इस रणनीतिक उद्देश्य साफ है। ट्रंप का लक्ष्य बोझ साझा करना और अमेरिकी संसाधनों को बचाना था, साथ ही नाटो की एकजुटता पर दबाव बनाकर यूरोपीय सहयोगियों को मजबूर करना है। इससे ईरान को संदेश भी जाता कि पश्चिमी गठबंधन मजबूत है, भले ही मध्य पूर्व अनुच्छेद 5 के दायरे से बाहर हो।

यही वजह है कि ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान द्वारा बंद किए जाने के कारण नाटो से सहयोग मांगा, क्योंकि यह वैश्विक तेल आपूर्ति का 20: हिस्सा प्रभावित कर रहा है। इसका कारण यह है कि ईरान–इजरायल–अमेरिका संघर्ष में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल संकट पैदा हो गया, जिससे कीमतें बढ़ीं। ट्रंप ने 15 मार्च 2026 को फाइनेंशियल टाइम्स को कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन में नाटो की मदद की, इसलिए अब नाटो को होर्मुज खोलने में सहायता करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मदद न मिली तो नाटो का भविष्य श्बहुत बुराश् होगा।

अमेरिकी मांग का स्वरूप यह है कि ट्रंप ने नाटो सहयोगियों से माइंस स्वीपर्स जहाज, युद्धपोत तैनाती और ईरानी खतरों से निपटने के लिए सहयोग की अपील की। उन्होंने चीन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों से भी निगरानी में मदद मांगी, क्योंकि वे इससे ज्यादा प्रभावित हैं। लेकिन अभी तक नाटो या अन्य देशों (जैसे ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया) ने स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं दी। लिहाजा ट्रंप का रुख सख्त है कि प्रभावित देश खुद अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इन बातों से साफ है कि अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने अंतर्राष्ट्रीय गठबंधनों पर जो सवालिया निशान लगाया है, उसका जवाब मिलना अभी बाकी है!—(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ईद तक टला टकराव और तनातनी

—पुष्परंजन—

भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी आलोचना की। भारत ने इसे 'सैन्य अभियान की आड़ में किया गया नरसंहार' और अफगानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने ईद–उल–फितर से पहले दुश्मनी में कुछ समय के लिए रोक लगाने का ऐलान किया। इस्लामाबाद और काबुल द्वारा अलग–अलग ऐलान किया गया कि सीजफायर 18ः19 मार्च की आधी रात से 23/24 मार्च की आधी रात तक लागू रहेगा, दोनों पक्षों ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन पर मिलिट्री ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू हो सकते हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा, कि यह फैसला आने वाले इस्लामिक त्योहार को देखते हुए और अच्छी नीयत से लिया गया है। तरार बोले, 'आने वाले इस्लामिक त्योहार ईद–उल– फितर को देखते हुए, 'भाई इस्लामिक देशों' की गुजारिश पर 'ऑपरेशन गजब–लिल–हक' के बीच कुछ समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया है।'

पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने कहा कि यह रोक 'अच्छी नीयत और इस्लामिक नियमों के हिसाब से' लगाई जा रही है, लेकिन यह साफ किया कि यह समझौता शर्तों पर है। बयान में चेतावनी दी गई, 'पाकिस्तान के अंदर किसी भी क्रॉस–बॉर्डर हमले, ड्रोन हमले या आतंकवादी घटना की स्थिति में, 'ऑपरेशन गजब लिल हक' नई तेजी के साथ शुरू होगा।'

दूसरी तरफ, अफगान तालिबान शासन ने भी 'डिफेंसिव ऑपरेशन (रद–उल जुल्म)' कहे जाने वाले अभियान पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की पुष्टि की है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि ईद–उल–फितर के मौके पर हम भी खामोश रहेंगे। मुजाहिद ने कहा, 'इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान की सिक्योरिटी और डिफेंस फोर्स, ईद–उल–फितर के मौके पर 'डिफेंसिव ऑपरेशन्स (रद–उल–जुल्म)' को कुछ समय के लिए सस्पेंड करने की घोषणा करती हैं।' उन्होंने सऊदी अरब, तुर्की और कतर की 'अच्छी नीयत और अच्छी नीयत से लिया गया है। तरार बोले, 'आने वाले इस्लामिक त्योहार ईद–उल– फितर को देखते हुए, 'भाई इस्लामिक देशों' की गुजारिश पर 'ऑपरेशन गजब–लिल–हक' के बीच कुछ समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया है।'

पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने कहा कि यह रोक 'अच्छी नीयत और नए एयरस्ट्राइक शुरू करने के दो दिन बाद आया, जिसमें करीब 400 से अधिक सिविलियन मारे गए हैं। एक प्राइवेट टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में, इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया, और कहा कि काबुल में हालिया हमले का मुख्य टारगेट एक डिपो था, जिसमें अफगान तालिबान का गोला–बारूद, हथियार और ड्रोन थे।

डीजी आईएसपीआर ने कहा कि यह ऑपरेशन अफगान तालिबान द्वारा पाकिस्तानी चेक पोस्ट पर किए गए 53 हमलों के जवाब में किया गया था। उन्होंने आम लोगों के मारे जाने की खबरों को प्रोपेगैंडा बताते हुए उसे खारिज कर दिया, यह दावा करते हुए कि तालिबान लड़ाके अक्सर यूनिफॉर्म नहीं पहनते हैं, और इसके बजाय आम लोगों के कपड़े पहनते हैं, और तालिबान सुसाइड हमलों के लिए ड्रग एडिक्ट्स का भी इस्तेमाल करते हैं। पाकिस्तान का झूठ एक्सपोज करने के वास्ते अफगानिस्तान में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की प्रभारी वेरोनिका बोस्कोविक पोहार ने कजाकिस्तान के राजदूत और अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काबुल में उस नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया, जिसे मंगलवार की सुबह पाकिस्तान के सैन्य शासन द्वारा निशाना बनाया गया था।

जागरूकता से शुद्ध होगा गंगाजल

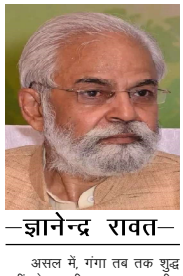

—ज्ञानेन्द्र रावत—

असल में, गंगा तब तक शुद्ध नहीं हो सकती जब तक स्थानीय निकाय ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन न करें और इस अभियान में जनभागीदारी को अहमियत न दी जाए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल देश की धर्मपरायण जनता की जागरूकता का है।

गंगा नदी आज भी अपनी शुद्धि की बाट जोह रही है। राजीव गांधी के सत्तासीन होने के बाद 1986 में गंगा एक्शन प्लान लागू हुआ था, लेकिन उसके बावजूद गंगा शुद्धि के नाम पर खर्च किए गए हजारों करोड़ रुपये भी उसे प्रदूषण से मुक्त नहीं कर पाए। आज भी गंगा का जल आचमन के लायक नहीं रह गया है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की उत्तराखंड में नमामि गंगे कार्यक्रम पर केंद्रित 2018–2023 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट गंगा की बदहाली को ही दर्शाती है। कैग की रिपोर्ट हाल ही में राज्य विधानसभा के बजट सत्र में पटल पर रखी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, गोमुख से लेकर देवप्रयाग तक गंगा का पानी आचमन योग्य यानी 'ए' श्रेणी का है, जबकि ऋषिकेश और हरिद्वार तक उसका पानी नहाने योग्य यानी 'बी' श्रेणी का है।

कैग रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार ने गंगातट पर बसे शहरों में सीवेज सुविधाओं में वृद्धि के लिए धन आवंटित नहीं किया। रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के डिजाइन में खामियां, इंफ्रास्ट्रक्चर का खराब रखरखाव, गंगा में गिरने वाले नालों को रोकने में नाकामी और नदियों तथा धाराओं में कचरा फेंके जाने पर अंकुश लगाने में असफलताएं रही हैं।

कैग की रिपोर्ट में, 'नमामि गंगे' योजना की विफलताएं सामने आई हैं। उदाहरण के लिए, वानिकी हस्तक्षेप का मामला, जिसमें 885.91 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था, परंतु निर्धारित लक्ष्य के विपरीत कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की गई। जिन पेड़ों को लगाने का लक्ष्य था, उनके लिए आवंटित धन का एक भी हिस्सा सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च नहीं किया गया। न तो एसटीपी बने, न ही घरों को सीवर कनेक्शन दिए गए। चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और उत्तरकाशी में 11 श्मशान घाटों का निर्माण हुआ, जो न तो प्रयोग में लाए गए हैं और न ही उनका ठीक से रखरखाव किया गया है।

राज्य के अधिकारियों ने गंगा के संरक्षण के लिए 2020 तक कोई ठोस योजना नहीं बनाई और गंगा में गंदा पानी और औद्योगिक कचरा गिरने से रोकने में नाकामी रही। गंगा किनारे बसे सात शहरों में बने 21 एसटीपी में से एक भी घर का सीवेज इनसे नहीं जुड़ा। हरिद्वार और ऋषिकेश में ओवरलोडिंग की समस्या तो बढ़ी ही, वहीं जोशीमठ और देवप्रयाग में सीवेज का बहाव भी घट गया। इससे यह साफ है कि एसटीपी अपने उद्देश्य में विफल रहे हैं।

गंगा के संरक्षण के लिए जर्मन डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाओं द्वारा दिया गया फंड भी सिर्फ हरिद्वार और ऋषिकेश तक ही सीमित रहा। ऋषिकेश के ढालवाला, कीर्तिनगर, रुद्रप्रयाग, श्रीकोट, गोपेश्वर और कर्णप्रयाग जैसे स्थानों पर 12 एसटीपी बिना ट्रीट किए गंदा पानी गंगा में बहा रहे हैं। 44 एसटीपी में से 8 एसटीपी चार साल से अधिक समय तक बिना पीसीबी की मंजूरी के संचालित हो रहे हैं। 18 एसटीपी अभी तक उत्तराखंड जल संस्थान को सौंपे ही नहीं गए हैं। ये सभी गंगा की शुद्धि के लिए बनी योजनाओं की नाकामी के प्रतीक हैं।

गंगा की यह बदहाली जब उत्तराखंड में है, तो उसके बहाव क्षेत्र जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में तो स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। गंगा के बहाव क्षेत्र के अधिकांश स्थानों पर कोलिफार्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से 45 गुणा से भी अधिक पाई गई है। एनजीटी ने भी माना है कि गंगा के 60 फीसदी हिस्से में बिना ट्रीटमेंट के गंदगी गिराई जा रही है।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

बिना पर्ची गैस लेने पर बवाल, युवकों के उत्पात के बाद एजेंसी पर पथराव, दो कर्मचारी घायल

संवाददाता—महराजगंज। कई जिलों में गैस की किल्लत जारी है। इसको लेकर आए दिन झगड़े—फसाद के मामले सामने आ रहे हैं। महराजगंज जिले में गैस को लेकर बवाल हो गया। नगर पंचायत परतावल स्थित एक गैस एजेंसी पर शुक्रवार को गैस वितरण युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवक बिना पर्ची के गैस सिलेंडर लेने पर अड़े थे। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि युवक लाठी—डंडे, ईंट—पत्थर लेकर पहुंच गए। इसके बाद एजेंसी गेट पर पथराव कर दिया। हमले में एजेंसी के दो कर्मचारी लहूलुहान हो गए। मौके पर अफरा—तफरी मच गई। पुलिस ने भीड़ को तितर—बितर कर स्थिति को नियंत्रित किया। मारपीट और हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, शहिन्दुस्तानश अखबार वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि शुक्रवार को एजेंसी पर गैस का वितरण हो रहा था। इसी दौरान कुछ उपभोक्ता बिना पर्ची के ही सिलेंडर की मांग करने लगे। एजेंसी कर्मियों ने जब नियमों का हवाला देते हुए बिना रसीद गैस देने से मना किया तो युवक भड़क गए। गाली—गलौज करने लगे। देखते ही देखते युवकों का गुट उग्र हो गया और पथराव शुरू कर दिया। हमले में कर्मचारी रवि गौतम व राजेन्द्र प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। हंगामे की सूचना मिलते ही परतावल चौकी प्रभारी अमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही भगदड़ मच गई। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए भीड़ को तितर—बितर किया। मौके से एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में चौकी इंचार्ज अमित कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वायरल वीडियो के जरिए अन्य हमलावरों की पहचान की जा रही है, जल्द ही सभी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। वहीं वाराणसी जिले में रसोई गैस रीफिलिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला आपूर्ति विभाग की दो टीमों ने गुरुवार को 49 घरेलू, दो कमर्शियल सिलेंडर और रीफिलिंग के उपकरण जब्त किए हैं। वहीं पांच के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। विभाग के मुताबिक पूर्ति निरीक्षक पुलकित वत्स, राघवेंद्र त्रिपाठी और संजय सिंह की टीम ने तिलमापुर स्थित खदिर बाबा मजार रोड पर आवासीय परिसर में छापेमारी की। यहां से 27 घरेलू सिलेंडर, रीफिलिंग मशीन, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और एक वाहन जब्त किया। भंदहाकला के राजकुमार श्रीवास्तव एवं संजय श्रीवास्तव, तिलमापुर के भवनस्वामी भरत मिश्रा और वाहन मालिक पर कार्रवाई की गई है।

अलविदा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदाःदेश में अमन—चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई

संवाददाता—देवरिया। जिले में रमजान माह के अंतिम शुक्रवार को अलविदा की नमाज अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। शहर से लेकर कस्बों और गांवों तक मस्जिदों में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने नमाज पढ़कर देश में अमन—चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी। प्रशासन ने इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। शुक्रवार दोपहर से ही नमाजियों का मस्जिदों की ओर आना शुरू हो गया था। शहर के तहसील रोड स्थित जामा मस्जिद, मालवीय रोड स्थित ईदगाह, बांस देवरिया, अहमद नगर और रामनाथ देवरिया सहित विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद में मौलाना अशफाक अहमद कासमी ने नमाज अदा कराई, जबकि बांस देवरिया में मौलाना अहमद रजा मिस्वाही ने नमाज पढ़ाई। भाटपाररानी नगर और आसपास के क्षेत्रों में भी अलविदा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यहां जामा मस्जिद में अधिक भीड़ को देखते हुए दो शिफ्ट में नमाज कराई गई। जिले के दिरतौली, सोहनपुर, सिकटिया, रामपुर बुजुर्ग, प्रतापपुर, खामपार, सरया, भिंगारी, भोपतपुरा, भवानी छापर, सवरेजी, बड़कागांव, खेमीपुर, महुआबारी, भेड़ापाकड़, मेहरौना, टीकमपार, बंगरा बाजार, पिपरा बघेल, अहिरौली बघेल, रामपुर और अकटही सहित कई गांवों में भी नमाज अदा की गई। बरहज नगर और आसपास के इलाकों में जिन्नती, राजा और नाका मस्जिद के साथ कपरवार, पैना, करुअना, भलुअनी, गड़ेर, सोनाड़ी, मगहरा, मदनपुर और देवपार में अलग—अलग समय पर नमाज अदा की गई। शहर के अबूबकर नगर स्थित मस्जिद पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत कोतवाल राकेश कुमार राय सहित पुलिस बल तैनात रहा। नमाज के बाद लोगों ने जरूरतमंदों को दान दिया और समाज में आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

डीएम ने ईवीएम—वीवीपैट वेयरहाउस का तिमाही निरीक्षण किया

संवाददाता—महराजगंज। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने आगामी निर्वाचन प्रक्रियाओं की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य मशीनों के सुरक्षित भंडारण और सुरक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत का आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने गार्डों की तैनाती, विद्युत सुरक्षा (शॉर्ट सर्किट से बचाव) और बारिश के मौसम को देखते हुए छतों से संभावित रिसाव की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा और जल निकासी के इंतजामों में कोई कोताही न बरतने के कड़े निर्देश दिए। चुनाव आयोग के दिशा—निर्देशों के अनुसार, पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखा गया। निरीक्षण के समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्हें सुरक्षा प्रोटोकॉल और वेयरहाउस की सीलिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। सभी प्रतिनिधियों ने प्रशासन द्वारा की गई सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी संतोष शर्मा ने वेयरहाउस के लॉग—बुक और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की भी जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस के सुरक्षा प्रोटोकॉल का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी तकनीकी कमी को तत्काल दुरुस्त किया जाए।

छह करोड़ 81 लाख जीएसटी चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। कूटरचित दस्तावेजों के सहारे जीएसटी कर चोरी के दो आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जालसाजी कर अस्तित्व विहीन फर्म के सहारे छह करोड़ 81 लाख 79 हजार 226 रुपये जीएसटी चोरी किया था। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया। सहायक आयुक्त राज्य कर प्रदीप कुमार ने एक अगस्त 2025 को सूचित किया था कि मनीष कुमार झा व जसदिल सिंह की ओर से बड़े पैमाने पर बिना खरीद के प्रपत्रों में बिक्री घोषित करते हुए जीएसटी रिटर्न दाखिल कर राजस्व को हानि पहुंचाया है। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना की। इस दौरान बिहार राज्य के जिला मधुबनी के थाना पंडौल के ग्राम सरिसबपाही व मूल रूप से पश्चिम बंगाल के 24 परगना के थाना पंचसायर के 1414क्ष नया बाग मिनी बस स्टैण्ड मुकुन्दपुर कोलकाता निवासी बिकी झा पुत्र विजय कुमार झा व पंजाब प्रांत के चेतसिंह नगर अपोजिट एटीआई कालेज थाना डिविजन नम्बर छह लुधियाना निवासी जसदिल सिंह पुत्र जगदेव सिंह का नाम प्रकाश में आया। बिकी झा ने मनीष कुमार झा के नाम से संचालित बुधियार इण्टरप्राइजेज व अन्य फर्मों का रिटर्न फाइलिंग का काम किया। अस्तित्व विहीन फर्म बुधियार इंटरप्राइजेज के जरिए अप्रैल, मई व जून 2025 के जीएसटीआर रिटर्न दाखिल किया। इसी तरह जसदिल सिंह ने अस्तित्व विहीन फर्म सर्वश्री श्रीराम इन्टर प्राइजेज के जरिए बिना बिक्री जीएसटी रिटर्न फाइल किया। इस तरह फर्जीवाड़ा कर बिकी झा ने छह करोड़ 22 लाख छह हजार 333 रुपये व जसदिल सिंह ने 59 लाख 72 हजार 893 रुपये की जीएसटी की चोरी किया था। दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए जिले की पुलिस लेकर आई थी। शुक्रवार को उन्हें गिलौला व कोतवाली भिनगा थाना परिसर में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने निकाली स्कूटी रैली

संवाददाता—बलरामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत शुक्रवार को बलरामपुर में पुलिस विभाग ने स्कूटी रैली निकाली। यह रैली महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बलरामपुर स्थित पुलिस कार्यालय से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों जैसे कलेक्ट्रेट मोड़, वीर विनय चौराहा और संतोषी मां तिराहा से होते हुए भगवतीगंज तक पहुंची। रैली का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देना, बालिकाओं को सुरक्षा का भरोसा दिलाना और प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराना था। इस पहल के माध्यम से पुलिस ने यह संदेश दिया कि महिला सुरक्षा अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक सक्रिय जमीनी अभियान है।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओं को सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों, साइबर अपराध से बचाव के तरीकों और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन का यह कदम समाज में नारी सम्मान को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और क्षेत्राधिकारी नगर ज्योतिर्मी सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बारिश—तेज हवा से फसलें गिरीं: सैकड़ों बीघा गेहूं, सरसों और पत्ता गोभी बर्बाद होने की कगार पर, किसान परेशान

संवाददाता—गोंडा। जिले में सुबह से रुक—रुक कर हो रही बारिश और तेज हवाओं के कारण किसानों की सैकड़ों बीघा गेहूं और सरसों की फसलें प्रभावित हुई हैं। यदि देर रात तक बारिश जारी रहती है, तो यह नुकसान और बढ़ सकता है। किसान अपनी फसलों को लेकर चिंतित हैं। गोंडा सदर, मनकापुर, तरबगंज और करनैलगंज में किसानों की लगभग 80 बीघा से अधिक गेहूं की फसल तेज हवा के कारण गिर गई है, जिससे उसके खराब होने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, 40 बीघा से अधिक सरसों की फसल, जिसे कटाई के बाद मड़ाई के लिए खेतों में रखा गया था, वह भी बारिश से खराब होने की कगार पर है। फसल नुकसान की ऐसी ही तस्वीरें तरबगंज तहसील क्षेत्र के सिगहा चंदा, पिपरी रोहुआ जुझारीपुर, रुपईडीह विकासखंड के रुपईडीह गांव, खरगुपुर, लालपुर और दुबावल गांव से सामने आई हैं। परसपुर के कडरू गांव से पत्ता गोभी जैसी सब्जियों को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। तरबगंज तहसील क्षेत्र के सिंगहा चंदा गांव निवासी उदय नारायण शुक्ला की चार बीघा सरसों की फसल मड़ाई के लिए खेत में पड़ी थी, जिसमें से आधी से ज्यादा बारिश के कारण झड़ गई है। वह बची हुई फसल को बचाने के लिए धूप निकलने का इंतजार कर रहे हैं।

इसी गांव के कामता प्रसाद ने बताया कि बारिश और तेज हवा से उनकी एक बीघा गेहूं की फसल गिर गई है, जिसके पूरी तरह खराब होने की आशंका है। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि धूप निकलने पर फसल कुछ हद तक खड़ी हो सकती है। वहीं पिपरी रोहुआ गांव के रहने गौतम चौहान भी अपने तीन बीघा सरसों की फसल मड़ाई को लेकर के खेत में कट करके छोड़ दिए थे। लेकिन आज हुई बरसात के कारण उनको भी सरसों की फसल को काफी नुकसान हुआ है और खराब होने के

कगार पर तीन बीघा सरसों की फसल पहुंच गई है। वही जुझारीपुर गांव के रहने वाले अब्दुल कादिर ने भी इस बरसात से अपने खेतों में खड़ी फसल के नुकसान होने को लेकर के बात कही है।

रुपईडीह विकास खण्ड में भी सुबह से हो रही बरसात के कारण किसानों की गेहूं और सरसों की फसल बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गई है। रुपईडीह गांव के रहने वाले शेष राज यादव ने बताया कि हमारा 4 बीघा गेहूं बरसात और हवा चलने के कारण गिर गया है अब यह खराब होने की कगार पर पहुंच गया है। पहले हम लोग छुट्टा जानवर से इसकी रखवाली कर रहे थे। किसी तरीके से हमारे गेहूं की फसल बच जाए लेकिन आज बरसात होने के कारण अभी फसल गिर गई है। खराब होने की कगार पर है और बरसात हुई तो फसल हमारी खराब हो जाएगी। वहीं इसी गांव के रहने वाले सूरज लाल ने बताया कि हमारा भी 6 बीघा गेहूं बरसात और हवा चलने के कारण गिर गया है वह भी बर्बाद होने की कगार पर है। गेहूं गिरने से हमारा काफी नुकसान हुआ है हम लोग बहुत परेशान हैं। इसी विकास खण्ड के दुबावल गांव के रहने वाले राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि हमारे गेहूं की फसल लगभग दस बीघे की एकदम से बे मौसम बारिश होने की वजह से गिर गई है। जिसे काफी नुकसान भी हो गया है वह उन्होंने बताया कि हम लोग फसल की रखवाली छुट्टा जानवरों से अपनी जान रख में डाल करके करते हैं लेकिन यह आकस्मिक तूफान है इसे कैसे बचा जा सकता है उन्हें बताया कि हम लोगों की उम्मीद पर पानी फिर गया है। वहीं परसपुर विकासखंड अंतर्गत कडरु गांव के रहने वाले दुलरू मिश्रा की लगभग एक बीघा पत्ता गोभी की फसल पानी भर जाने के कारण बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गई है। बरसात होने के कारण खेतों में पानी भरने शुरू हो गए हैं सुबह तक अगर इसी से बरसात होती रही तो यह फसल बर्बाद हो जाएगी। इसके साथ ही साथ उनकी लगभग तीन बीघा गेहूं की फसल भी पूरी तरीके से गिर गई है इन्हें भी अब चिंता सता रही है।

वही गोंडा जिला कृषि अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि फसलों के खराब होने को लेकर के अभी तक हमारे पास कोई भी अधिकृत डाटा नहीं आया है डाटा मिलने पर ही आपको जानकारी दी जाएगी कल भी बरसात है। बरसात के कारण गिरी गेहूं की फसल को लेकर के राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने खरगुपुर के लालपुर गांव से एक वीडियो बनाकर के सरकार से आर्थिक मदद को लेकर के मांग की है। शिवम पांडे ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्र का तत्काल सर्वे कराया जाए पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

कुशीनगर में विधायक को काले झंडे दिखा सभासद मनोनयन का विरोध

संवाददाता—कुशीनगर। फाजिलनगर नगर पंचायत में सभासदों के मनोनयन में वरिष्ठता को दरकिनार कर चहते को मनोनीत कराने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता कुंवर सुभाष सिंह के नेतृत्व में कुछ कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें काले झंडे दिखाये। तब विधायक गाड़ी में थे, शीशा बंद था और इस पर उनका ध्यान नहीं गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। बाद में भाजपा कार्यकर्ता विनोद कुशवाहा ने काला झंडा दिखाने वालों पर कार्रवाई की मांग करते हुए पटहेरवा थाने में तहरीर दी है। क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा शुक्रवार को फाजिलनगर कस्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वापसी के लिए अपनी गाड़ी में बैठने जा रहे थे तभी कुछ कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए काले झंडे लहराने लगे।

उनका आरोप था कि नगर पंचायत में सभासदों के मनोनयन में पारदर्शिता का पूरा तरह अभाव है। आरोप था कि योग्य, सक्रिय और लंबे समय से पार्टी के लिए कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चहेते लोगों को नामित किया गया है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ अन्याय बताते हुए निर्णय को वापस लेने की मांग की। इस दौरान विधायक अपने गाड़ी में बैठकर निकल गए। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष पटहेरवा धीरेन्द्र राय ने बताया कि विधायक को काला झंडा दिखाने और शान्ति भंग करने के आरोप में तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बाद में इस संबंध में भाजपा कार्यकर्ता विनोद कुशवाहा ने पटहेरवा थाने पहुंच कर काले झंडे दिखाने वालों पर कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है। मैं अपनी गाड़ी से निकल रहा था, तभी की यह बात बताया जा रहा है। मैंने उस ओर ध्यान नहीं दिया था। अगर मनोनयन से किसी तो नाराजगी है तो मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। भाजपा में हमेशा से लोकतांत्रिक मार्यादाओं का पालन होता रहा है, हर किसी को अपनी बात उचित फोरम पर लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ रखनी चाहिए। —सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, विधायक, फाजिलनगर

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में शुक्रवार को मौसम बदल गया। एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक आम के बाग से घर लौट रहा था, तभी यह हादसा हुआ। सुबह से ही मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ था। करीब 11 बजे आसमान में घने काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान लगभग साढ़े ग्यारह बजे जिला मुख्यालय से सटे धुशाह गांव स्थित एफसीआई गोदाम के पास आकाशीय बिजली गिरी। छोटा धुशाह निवासी तीरथ (30) पुत्र संतराम उस समय आम के बाग से अपने घर लौट रहा था। बिजली की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों के पहुंचने तक काफी देर हो चुकी थी। तीरथ मजदूरी कर अपने परिवार का भरण—पोषण करता था। उसके पिता संतराम भी मजदूरी करते हैं, जबकि बड़ा भाई ऑटो चलाता है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम सदर हेमंत कुमार गुप्ता ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत हुई है।

रमजान का 5वां जुमा, दूसरी बार अलविदा नमाज अदा

संवाददाता—महराजगंज। रमजान के पवित्र महीने में इस वर्ष एक दुर्लभ संयोग देखने को मिला। महराजगंज के मिठौरा क्षेत्र की ग्राम सभा बरवा सोनिया सहित आसपास के इलाकों में रमजान का पांचवां और दूसरा अलविदा जुमा की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई। आमतौर पर रमजान में चार जुमे होते हैं, लेकिन इस बार पांचवां जुमा होने से क्षेत्र में विशेष उत्साह का माहौल रहा। बरवा सोनिया मस्जिद में इमाम मौलाना कारी फिरोज साहब की देखरेख में नमाज पूरी हुई। खुतबे के दौरान उन्होंने बताया कि यह पांचवां जुमा अल्लाह की विशेष नेमत है। नमाज के बाद पूरी मस्जिद शआमीनश की सदाओं से गूंज उठी, जहां हजारों नमाजियों ने मुल्क में अमन, चैन और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगीं। बरवा सोनिया के साथ—साथ मिठौरा, हरखोड़ा और सेमरी की मस्जिदों में भी नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। पांचवें जुमे और दूसरी बार अलविदा की नमाज को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जगहों पर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नमाज के उपरांत बरवा सोनिया के गणमान्य नागरिकों ने क्षेत्रवासियों को इस पवित्र अवसर की बधाई दी।

श्रीरामलला सदन देवस्थान ब्रह्मोत्सव 24 मार्च से

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या एक बार फिर भक्ति और आस्था के अनुपम रंग में रंगने जा रही है। रामकोट स्थित श्रीरामलला सदन देवस्थान में 24 से 28 मार्च 2026 तक भव्य श्री ब्रह्मोत्सव का आयोजन प्रस्तावित है। इस दिव्य महोत्सव का संयोजन जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई है। पंचदिवसीय इस उत्सव में श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। प्रतिदिन विविध धार्मिक अनुष्ठान, हवन, अभिषेक एवं भगवान की भव्य सवारियां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराएंगी। महोत्सव का शुभारंभ 23 मार्च (चैत्र शुक्ल पंचमी) की संध्या बेला में मृदाहरण, अंकुरारोपण, रक्षाबंधन, वीथी शोधन एवं गरुड़ प्रतिष्ठा के साथ होगा। इसके उपरांत श्री विष्वक्सेनजी की शोभायात्रा निकलेगी, जो पूरे क्षेत्र को भक्तिरस से आप्लावित कर देगी।

24 मार्च (षष्ठी) को प्रातःकाल ध्वजारोहण के साथ महोत्सव का विधिवत आरंभ होगा। इस अवसर पर 108 कलशों से भगवान का महाभिषेक (तिरुमज्जन) संपन्न होगा। संध्या बेला में भेरीताड़न एवं नित्याराधन हवन के उपरांत श्री शेषवाहन पर भगवान की सवारी भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनेगी। 25 मार्च (सप्तमी) को प्रातःकाल श्री गरुड़वाहन तथा सायंकाल श्री हनुमतवाहन पर भगवान की दिव्य सवारियां निकाली जाएंगी। 26 मार्च (अष्टमी) को सिंहवाहन एवं गजवाहन पर सुसज्जित शोभायात्राएं श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। 27 मार्च (नवमी) को भगवान का अवतारोत्सव एवं कल्याणोत्सव अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर श्री मंगलगिरि पर भगवान की सवारी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। वहीं 28 मार्च (दशमी) को सरयू नदी में भगवान का अवभृथ स्नान, पुष्पयाग, हवन पूर्णाहुति एवं ध्वजावरोहण के साथ महोत्सव का समापन होगा। इस आयोजन में देशभर के श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अयोध्या पहुंचकर भगवान की दिव्य सवारियों, कल्याणोत्सव एवं वैदिक अनुष्ठानों का पुण्य लाभ लेने का आग्रह किया है। इस दौरान अयोध्या नगरी भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई देगी।

खराब मौसम में मोमबत्ती की रोशनी में बच्चों ने दी परीक्षा

संवाददाता—गोंडा। जनपद के 2609 परिषदीय व 17 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में वार्षिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न हो गई हैं। वार्षिक परीक्षा में 2.55 लाख छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित समय—सारिणी के अनुसार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के छात्रों की परीक्षाएं शांतिपूर्ण माहौल में कराई गईं। शुक्रवार सुबह दस बजे मौसम के बदलने से एक दम अंधेरा छा गया। स्कूलों में बिजली गुल होने के बाद मोबाइल व मोमबत्ती के सहारे बच्चों ने परीक्षा दी। कंपोजिट विद्यालय जानकीनगर के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि अचानक मौसम के खराब से अंधेरा हो गया। सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि किसी तरह दिन में दस बजे रात जैसा नजारा देखने पर बच्चों का हौसला बढ़ाया तब जाकर बच्चों ने मोमबत्ती के सहारे परीक्षा दी है। बेसिक शिक्षा विभाग अब मूल्यांकन प्रक्रिया की तैयारियां तेज कर दी हैं। उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और उन्हें निर्धारित मूल्यांकन केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है। जिससे समयबद्ध तरीके से कॉपियों की जांच पूरी की जा सके। शत प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा दीरू बेलसर शिक्षा क्षेत्र के लौव्वा टेपरा में स्थित पीएमश्री स्कूल में बच्चों ने शुक्रवार को परीक्षा दी। प्रभारी प्रधानाध्यापक गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मौसम खराब होने के बाद भी बच्चों में परीक्षा को लेकर उत्साह रहा। उन्होंने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण रही है।

दर्शन करने जा रहे युवकों की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता—गोण्डा। देहात कोतवाली क्षेत्र के चिश्तीपुर गांव निवासी 20 वर्षीय राधेश्याम और करौंदिया गांव निवासी 21 वर्षीय चंदन की बलरामपुर में देर रात हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें तेज रफ्तार बाइक पेड़ टकराते दिखाई दे रही है। हादसा गोंडा—बलरामपुर मार्ग पर दुल्हिनपुरवा के पास हुई।

दोनों युवक चैत्र नवरात्रि में मां पाटेश्वरी देवी के दर्शन करने बलरामपुर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, राधेश्याम की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। स्थानीय लोगों ने देर रात बलरामपुर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलने पर दोनों युवकों के परिजन सुबह बलरामपुर के लिए रवाना हो गए। वे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। राधेश्याम के परिवार में पहले ही उनके पिता का निधन हो चुका था। वह परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। कुछ महीने पहले ही उन्होंने दर्जीकुंआ चौराहा पर एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो खोला था, जिससे वह अपने परिवार का भरण—पोषण कर रहे थे।

महिला सुरक्षा को 30 दिवसीय अभियानः एसएसपी ने जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए 30 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया गया है। शुक्रवार, 20 मार्च को पुलिस लाइन से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने महिला पुलिसकर्मियों द्वारा निकाली गई जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान मिशन शक्ति अभियान (फेज–05, द्वितीय चरण) का हिस्सा है। यह रैली शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और विभिन्न हेल्पलाइन सुविधाओं के प्रति जागरूक करने का संदेश देगी। यह 30 दिवसीय अभियान पूरे जनपद में संचालित होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना, उनके सम्मान की रक्षा करना और उन्हें त्वरित न्याय दिलाना है। नवरात्रि के दौरान मंदिरों, धार्मिक स्थलों, मेलों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिला पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। एंटी–रोमियो स्क्वायड भी लगातार सक्रिय रहेगा, जो सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी करेगा। छेड़छाड़, उत्पीड़न या असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ मौके पर ही कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, जिले के चिन्हित संवेदनशील हॉटस्पॉट्स और महिलाओं के अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग, पीआरवी गश्त और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी को मजबूत किया जाएगा। मिशन शक्ति टीमें विभिन्न थाना क्षेत्रों में गांव–गांव और स्कूल–कॉलेजों में चौपाल लगाएंगी। इन चौपालों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया जाएगा, पंपलेट वितरित कर हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी जाएगी, और छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए जाएंगे।

महिला बीट पुलिस अधिकारी और कर्मचारी स्कूलों व महाविद्यालयों में जाकर छात्राओं और महिलाओं को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला सुरक्षा कानूनों और हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। साथ ही वीमेन पावर लाइन 1090 और मिशन शक्ति केंद्र का व्यापक प्रचार–प्रसार कर अधिक से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को इन सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाना एवं अन्य विभागों के समन्वय से बाल विवाह, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति और अन्य बाल अपराधों के विरुद्ध विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और मलिन बस्तियों में इस पर विशेष फोकस रहेगा।

इसके अतिरिक्त महिलाओं और बच्चों से संबंधित प्रमुख कानूनों जैसे घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध और बाल श्रम कानूनों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी, ताकि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में उचित कार्रवाई कर सकें।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सदर, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना, एंटी–रोमियो टीम प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिले में इस व्यापक अभियान को लेकर सकारात्मक माहौल देखा जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह पहल महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

श्रीराम कथा जीवन और जगत का कल्याण करती है –स्वामी स्वरूपानन्द

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सृष्टि में जब–जब अनीति, कुबुद्धि, कुविचार का विस्तार होता है ईश्वर विभिन्न रूपों में जन्म लेकर जगत का मार्ग दर्शन करते हैं। संसार में जड़ चेतन जो कुछ भी दृश्य अदृश्य है उसमें परमात्मा का वास है। यह सृष्टि ईश्वर की इच्छा पर संचालित हो रही है। जीव का धर्म है कि वह सहजता से शिव में विलय के लिये अपने आप को इस रूप में प्रस्तुत करे जिससे जीवन और जगत दोनों का कल्याण हो। यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में सूत्रपात करते हुये व्यक्त किया।

ऊं नमो भगवते वासदेवाय और हनुमान जी की आराधना से आरम्भ कथा को विस्तार देते हुये महात्मा जी ने कहा कि 'सियाराम मय सब जग जानी' जगत में ऐसा कुछ भी नही जो परमात्मा से भिन्न हो। भक्ति ही नही शत्रु भाव से भी जिसने परमात्मा को अपने चित्त में रखा उसका कल्याण हो गया। रावण, कंस, हिरण्यकश्यप सहित अनेक उदाहरण है जिन्हें परमात्मा ने मुक्ति प्रदान किया। महात्मा जी ने शिव तत्व का वर्णन करते हुये कहा कि जहां प्राकृतिक शत्रुता मित्रता में बदल जाय वहीं शिव तत्व समर्थ हो जाता है। महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम कथा कल्प वृक्ष के समान है।

श्रीराम नाम महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम ने रावण और कुछ राक्षसों का बध किया किन्तु श्रीराम का नाम तो युगो युगो से करोड़ो जीवों का उद्धार कर रहा है। भगवान शंकर की कृपा के बिना श्रीराम के हृदय में प्रवेश संभव नही है।

श्रीराम कथा के प्रथम दिन कथा व्यास का विधि विधान से पूजन करते हुये पूर्व विधायक अम्बिका सिंह ने कहा कि गांव– गांव श्रीराम कथा का आयोजन आवश्यक है जिससे नयी पीढी श्रीराम की मर्यादा, त्याग को अपने जीवन में उतारे, इससे स्वस्थ, समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में सहायता मिलेगी। बाबूराम सिंह एडवोकेट अध्यक्ष नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट बस्ती ने कहा कि श्रीराम कथा धरती पर अमृत के समान है। मानस पुस्तक नहीं वरन मानव समाज का मस्तक है। कथा मंच पर ब्यास भगवान स्वरूपानन्द जी महराज का कृष्ण दत्त दूबे, बालमुकुंद मिश्रा अनिल भारती अभिषेक सिंह सूर्यवंशी ने मल्यार्पण कर स्वागत किया। मुख्य यजमान संजीव सिंह,ने वैदिक परम्परा के अनुरूप कथा व्यास का पूजन किया। सह आयोजक अनिल सिंह, हीरा सिंह जगदम्बा पाण्डेय, जीत बहादुर सिंह, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, घनश्याम सिंह कृष्ण दत्त दूबे, , सुनील सिंह, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, नीरज गुप्ता,राधे गुप्ता , इन्द्रपरी सिंह, विभा सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 570/2025
थाना–वाल्टरगंज
जिला–बस्ती
अफसरी खातून आदि
बनाम
अब्दुल रहीम उर्फ गुड्डू
1– अब्दुल रहीम उर्फ गुड्डू उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र निजाम उर्फ ढेले 2– किताबुल उम्र लगभग 56 वर्ष पत्नी निजाम उर्फ ढेले 3– निजाम उर्फ ढेले उम्र लगभग 58 वर्ष पुत्र वनिया 4– अब्दुल हकीम उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र निजाम उर्फ ढेले 5– हदीसुन उम्र लगभग 52 वर्ष पत्नी हीरेलाल (चाची) निवासीगण सा0– कादिराबाद थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर 6– तस्बुन्निशा उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्री सुल्तान 7– नूर मुहम्मद उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र अजहरी 8– मुल्तान उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र अजहरी 9 – नूरजहाँ उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी सुल्तान निवासी ग्राम परसपुर थाना भवानीगंज जनपद सिद्धार्थनगर
–विपक्षीगण
तारीख पेशी 28–03–2026
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 28 मास 03 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

तेज आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को मौसम में बदलाव देखा गया। दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे के बीच जिले के विभिन्न हिस्सों में हल्की से तेज बारिश दर्ज की गई। बढ़नी क्षेत्र में विशेष रूप से तेज वर्षा हुई, जिससे हालात प्रभावित हुए। हालांकि, दोपहर 1रू30 बजे तक स्थिति सामान्य हो गई थी, लेकिन मौसम विभाग ने दोपहर बाद फिर से मौसम बिगड़ने की आशंका जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच जिले में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। विभाग ने अचानक तेज हवाएं, गरज–चमक और ओले गिरने की संभावना व्यक्त की है, जिससे जनजीवन और कृषि कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

दोपहर तक हुई बारिश का असर खेतों में खड़ी फसलों पर दिखना शुरू हो गया है। जिले में लगभग 30 प्रतिशत गेहूं की फसल कटाई के करीब है और पीली अवस्था में है। इनमें से करीब 10 प्रतिशत फसल पर बारिश का प्रभाव पड़ चुका है। वहीं, हरी खड़ी फसल को फिलहाल 5 प्रतिशत तक नुकसान का अनुमान है।

कलश यात्रा में शामिल दो युवक नदी में डूबे, मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक कलश यात्रा के दौरान राप्ती नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भड़रिया गांव निवासी विकास (22) पुत्र कन्हैया और शिवम (17) पुत्र लल्लू यादव के रूप में हुई है। यह घटना मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा एवं संगीतमय श्री राम कथा के उपलक्ष्य में निकाली गई कलश यात्रा के दौरान हुई। नवयुवक रामलीला समिति भड़रिया बाजार द्वारा आयोजित यह कलश यात्रा भड़रिया कस्बे से सुवानाला राप्ती नदी तक जल भरने के लिए जा रही थी। धार्मिक आयोजन के उत्साहपूर्ण माहौल के बीच यह हादसा हुआ, जिससे पूरे गांव में शोक छा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब कलश यात्रा राप्ती नदी पर पहुंची, तो विकास और शिवम जल भरने के साथ–साथ स्नान करने के लिए नदी में उतर गए। गहरे पानी में जाने के कारण दोनों युवक डूबने लगे। वहां मौजूद अन्य लड़कों ने उन्हें डूबता देख शोर मचाया और तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद दोनों युवकों को नदी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। घटना शुक्रवार 20 मार्च को लगभग दोपहर 3रू30 बजे की बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही भवानीगंज थाना अध्यक्ष बृजेश सिंह और नायब तहसीलदार डुमरियागंज विष्णु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम कराने से इनकार किए जाने के बाद, गांव के संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शवों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बताया जाता है कि मृतक शिवम पढ़ाई कर रहा था और अपने परिवार का होनहार बेटा था, जबकि विकास अपने घर पर ही छोटी दुकान चलाकर परिवार का भरण–पोषण करता था। दोनों की असमय मौत से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नदी के किनारे सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते या लोगों को गहरे पानी में जाने से रोका जाता, तो शायद यह दर्दनाक हादसा टल सकता था।

विश्व हिंदू महासंघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–संतकबीर नगर। विश्व हिंदू महासंघ ने एक प्रमुख चौक का नाम श्वंदे मातरम चौकश रखने की मांग की है। संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। यह मांग वंदे मातरम् गीत की 151वीं वर्षगांठ और आगामी 23 मार्च को अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु के 95वें शहादत दिवस के अवसर पर की गई है। संगठन चाहता है कि शहर के एक व्यस्ततम चौक को यह नया नाम दिया जाए। जिलाध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री के विचारों के अनुसार, वंदे मातरम् केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि इस उद्घोष ने स्वतंत्रता सेनानियों में ऊर्जा भरी थी और आज भी यह देशवासियों में समर्पण व देशभक्ति का भाव पैदा करता है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा–61/2024
क0 वाद सं0–T202217140202771
धारा 144 राजस्व संहिता
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती
प्रेमचन्द्र आदि
बनाम
रामदीन आदि
मौजा मुड़िला तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
1. रामदीन पुत्र रामजग 2. दिलीप कुमार पुत्र रामयज्ञ 3. विरेन्द्र कुमार पुत्र रामयज्ञ 4. दीपचन्द्र पुत्र लालमन 5. ग्रीष चन्द्र पुत्र लालमन 6. राहुल पुत्र फूलचन्द्र 7. चम्पा देवी पत्नी फूलचन्द्र 8. सुरपाती पत्नी लालमन साकिनान मौजा मुड़िला तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 23–03–2026
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
वाद नं0 189
धारा 9 क (2) क0च0
अदालत–श्रीमान च0अ0आर0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राममेज
बनाम
रामअजोर
बावत अराजी मौजा ग्राम मझौवा बैकुन्ठ तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
1. पप्पू पुत्र स्व0 राजेन्द्र 2. श्रीमती करोझ पत्नी स्व0 राजेन्द्र 3. हृदयराम पुत्र स्व0 राम सुन्दर साकिनान मौजा मझौवा बैकुन्ठ तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 25–03–2026
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 25 महीना 03 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाव सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 20 माह 03 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–347/2002
निविरिख आदि
बनाम
राम प्रसाद आदि
1/3 सीतापती उर्फ अभिराजी पुत्री स्व0 राम प्रसाद पत्नी शोभाराम निवासी ग्राम भिरवा पोस्ट हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 13–04–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा– 10335/2025
धारा 116 U.P.R.C. 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती कुशलावती
बनाम
अखिलेश पाडेय आदि
1. पटेश्वरी पत्नी बैठोले मौजा मड़वानगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. ओझा श्रीकान्त श्रीवास्तव पुत्र रमाकान्त ओझा साकिन अइलिया पोस्ट उमरिया 3. अखिलेश पाण्डेय पुत्र अशोक कुमार पाण्डेय साकिन हसवर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4. सोमनाथ चौधरी पुत्र लालता प्रसाद चौधरी साकिन श्रीपालपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 5. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी हृदयराम साकिन भीटा पोस्ट बरहपुर तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी स्व0 दीनदयाल मिश्रा साकिन विशुनपुरा पो0 बैरीखाला तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 7. श्रीमती किरन चौधरी पत्नी अजय कुमार साकिन रघउपुर पोस्ट गायघाट तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 8. ग्रामसभा अध्यक्ष / ग्राम पंचायत अध्यक्ष/प्रधान साकिन मौजा बड़ार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 28–03–2026
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मस्ख़ूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 23/2023
अशोक कुमार आदि
बनाम
रंगई आदि
1. राम सहाय उम्र लगभग 45 वर्ष 2. मुन्नीलाल उम्र लगभग 40 वर्ष 3. हृदयलाल उम्र लगभग 35 वर्ष 5. गेल्हई पुत्रगण रंगई निवासीगण ग्राम आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 6. श्रीमती अनारा देवी उम्र 67 वर्ष पत्नी राम प्रसाद 7. विजय कुमार उम्र लगभग 42 वर्ष 8. शम्भू प्रसाद उम्र लगभग 29 वर्ष 9. महेन्द्र प्रसाद उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्रगण राम प्रसाद निवासीगण ग्राम आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 23–03–2026
हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 03 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–281/2024
विजय
बनाम
श्रीमती सोना देवी आदि
1. श्रीमती सोना देवी पत्नी तिलकराम साकिन ग्राम बसन्तपुर (सेमरहिया) पो0 हरिवंशपुर बुजुर्ग तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग
2. राजेन्द्र उर्फ रजिन्दर शर्मा पुत्र अर्जुन साकिन ग्राम गुआंव तप्पा मनवरपार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती हाल मुकाम बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
3. गंगू उम्र लगभग 46 वर्ष पुत्र अर्जुन साकिन ग्राम गुआंव तप्पा मनवरपार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती हाल मुकाम बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 4. रामबोध पुत्र रामलौट 5. जय सिंह पुत्र जयराम साकिन ग्राम गुआंव तप्पा मनवरपार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. श्रीमती हीरा देवी पत्नी रामसुन्दर साकिन ग्राम गुआंव तप्पा मनवरपार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादी तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 20–04–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा– 5825/2024
धारा 116 U.P.R.C. 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रेम कुमार
बनाम
सीताराम आदि
1. रामलखन पुत्र सहदेव 2. झाली पुत्र चैतू 3. नितराम पुत्र राम उजागिर 4. पारसनाथ पुत्र चैतू 5. कनिकराम पुत्र राम उजागिर 6. हृदयराम पुत्र सहदेव 7. सीताराम पुत्र सहदेव 8. कृष्ण कुमार पुत्र चन्द्रदेव 9. जगराम पुत्र चन्द्रदेव 10. श्रीमती जीतनी पत्नी चैतू 11. अशोक पुत्र सीताराम 12. जगदीश पुत्र दूबर 13. राममूरत पुत्र चन्द्रदेव 14. कृपाशंकर पुत्र चन्द्रदेव 15. भोला पुत्र सीताराम 16. छट्ठी पुत्र सीताराम साकिनान मौजा बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 06–04–2026
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
वाद नं0
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त न्यायिक बस्ती मण्डल बस्ती महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अकालुमुन्निशा
बनाम
श्रीमती यशोदा देवी
1. श्रीमती यशोदा देवी पत्नी हरिशंकर निवासी ग्राम चेतिया व पोस्ट चेतिया तप्पा कोडरी परगना बांसी पूरब तहसील व जिला सिद्धार्थनगर 2. रिजवान अहमद पुत्र इनामुल हक निवासी ग्राम कठेला जनूबी तप्पा वारिकपार तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 3. श्रीमती अनीता कथित पत्नी अनिल कुमार निवासी ग्राम व पोस्ट पचपेड़वा परगना व तहसील तुलसीपुर जिला बलरामपुर
तारीख पेशी 24–03–2026
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 03 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाव सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 20 माह 03 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com